

Seldom, *adv.* कठित्, कवाचित्, विरलं, दुर
प्र.; 's. to be found' दुलभं.

Select, *v. t.* वृ 5 U or 10 (वर्यति), वृ
9 U, उद्ध 1 P, उद्यह 9 P, विक्षिप्त् 7 P
or c. 2 संग्रह, समुद्धृ, सकल 10 (कलयति)
—*a.* विशिष्ट, उत्तम, उन्नत; *See Choice*.
—*ed*, *a.* उत्तम, उत्तम, उन्नत-*ion*, *s.*
वरण, उद्धरण, वर; वृति *f.* 2 संग्रहः, सारः;
‘s. of poetical pieces’ काव्यसंग्रहः.

Selenite, *s.* चंद्रकांतः.

Self, *a.* आत्मन्, स्व in comp., स्वीय, निज;
See Own; ‘s.-interest’ आत्महितः; ‘s.-
destroyer’ आत्मधातकः; (with pronoun)
स्वयं, स्वतःः. —*s.* आत्मन् (sing. and m.);
वेदी प्राप्तप्रसवमात्मानं गंगादेव्यां विसुचति
(U. 7). In comp. ex. by आत्म, स्व, or
स्वयं, स्वतः; ‘s.-accomplished’ आत्मो-
पाजित, स्वतः; अर्जित; ‘s.-command’
आत्मसंयमः, दमः, इन्द्रियजयः; ‘s.-conceit’
अहीकारः ममत्वं, स्वाभिमानः; ‘s.-denying’
आत्मसंयमिनः; ‘s.-evident’ स्वतःसिद्धं,
स्वयंप्रकाश, प्रत्यक्षः; ‘s.-existent’ स्वयंसूचि,
आत्मसूचि; ‘s.-interested’ स्वार्थपर, स्वार्थ-
शुद्धि; ‘s.-love’ ममता, अहमानः, स्वात्म-
ताता; ‘s.-possessed’ अव्यग्र, स्थिरात्मन्,
स्वस्यचित्त, धृतिमत्; ‘s.-possession’
श्रृति *f.*, स्वास्थ्यं, आत्म-स्व-निष्ठा; *See*
Presence, (of mind); ‘s.-sufficient’
स्वाभिमानिन्; ‘s.-will’ स्वेच्छा, स्वैरिता,
स्वावृद्धयं; ‘s.-willed’ स्वैर, स्वैरित, स्वचंद्रं,
काम-स्वेच्छा-स्वारित, कामवृत्ति, स्वैराति.
—*ish*, *a.* स्वार्थपर-निष्ठ-परायण; उद्दरंभरि,
स्वार्थपृष्ठ-शुद्धि, स्वहितपरनिष्ठ, स्वहितैविद्,
स्वलाभनिष्ठ-तत्त्व, &c. —*ishly*, *adv.*
स्वार्थपृष्ठवा, आत्महितशुद्धया, स्वलाभे-
शुद्धया. —*ishness*, *s.* स्वार्थ-स्वलाभ-स्वहित-
परता-निष्ठा-शुद्धि *f.*-शुद्धि *f.*, स्वला-
भेच्छा, समता.

Sell, *v. t.* विक्री 9 A (rarely P also).
—*i.* मूर्श्येन विक्री pass.; ‘this picture
will s. for a large price’ महता मूल्येनेद-
मालेखं विक्रेयते. —*er*, *s.* विक्रेतु *m.*, विक्रि-
यन् *m.*, विक्रियिकः, पणायिता. —*ing*,
—*Sale*, *s.* विक्रयः, पणन्; ‘exposed for
s.’ क्रय, क्रयार्थं प्रसारित; ‘an article
for s.’ पण्य, पण्यद्रव्यः; ‘underhand
s.’ अवक्रयः. —*Saleable*, *a.* विक्रेय.

Selvage, *s.* *See Border*.

Simblance, *s.* आभासः, आभा, औपयन्यं,
सादृश्यं, आकारः, रूपं; ‘it has a s. of
truth’ सत्यमिवाचभासते, सत्यसंकाशः; ‘to
wear the s. of displeasure.(anger)’
कृतज्ञकोर्द दर्शयितुं.

Semen, *s.* शुक्रं, रेतस् *n.*, वीजं, वीर्यं, तेजस्
n., इन्द्रियं. —**Seminal**, *a. (s.) in comp.*
s. discharge’ रेतःआवः-क्षरणं, निषेकः.

Semi, *a.* अर्ध or सामि in comp.; ‘s.-circle’,
वृत्तार्धं, अर्धवर्तुलं; ‘s.-form’ अर्धाङ्कति
&c. &c.

Seminary, *s.* वीजारोपणस्थलं. 2 शिक्षण-
लयः, विद्यामंदिरं.

Semi-vowel, *s.* अंतस्थः.

Sempiternal, *a.* *See Eternal*.

Sempstress, *s.* सूचिका.

Senate, *s.* वृद्ध-शिष्ट-सभा; मंत्रि-सचिव-सभा.

—*or*, *s.* सभासद्वृग् *m.*, वृद्धसदस्यः.
Send, *v. t.* प्रहि 5 P, सं-प्रेष *c.*, सं-, मेर *c.*,
विसृज् 6 P or c., (with acc. of place
and dat. of person); ‘s. away’ प्र-
स्था *c.* (स्थापयति), विसृज्; ‘s. for’
आहे 1 P, आनी *c.*; आगम *c.*, आहे *c.*
‘s. for a doctor’ भिषजमाहार्तुं कमपि प्रे-
षय; ‘s. forth’ लिप्रस्तु *c.*, उद्दीर् *c.*,
उत्सिप् 6 P, उद्धम् 1 P, उद्धन् 6 P; (as a
missile) प्र-मुच् 6 P, प्रक्षिप्, प्राच् 4 P.
—*er*, *s.* प्रेषकः, प्रेरकः.

Senile, *a.* वृद्ध, जराजन्य. —*ity*, *s.* वृद्धत्वं,
जरा, वृद्धिकर्य.

Senior, *a.* उपेष्ठ, वरिष्ठ, उपायस्, वरीयस्,
वर्णीयस्; (in age) कालज्येष्ठ, वयोज्येष्ठ;
‘s. in office’ अधिकारज्येष्ठ. —*s.* उपेष्ठः,
अग्रजः, &c. 2 गुरुः, गुरुजनः, आर्य-वृद्ध-
जनः. —*ity*, *s.* उपेष्ठता, उपेष्ठत्वं, वरिष्ठता,
वयोज्येष्ठता, &c.; ‘according to s.’
अग्रजेष्ठं.

Sennight, *s.* सप्तरात्र, सप्ताहः.

Sense, *s.* इन्द्रियं-हृषीकं, विषयित् *n.*, ‘s. s
collectively’ इन्द्रियवर्गः-गणः, पंचेन्द्रियं;
‘s. s. of perception or knowledge’
ज्ञानेन्द्रियाणि; ‘s. s. of action’ कर्मेन्द्रि-
याणि; करणानि, कर्मसाधनानि; ‘evident
to the s.’ प्रत्यक्ष, इन्द्रिय-ग्राहा-भोक्तर;
‘pleasures of s.’ विषय-इन्द्रिय-सुखं,
‘object of s.’ विषय, इन्द्रियार्थः, इन्द्रिय-
विषयः 2 उपलब्धिः, वेदनं-ना, बोधः, ज्ञानं,
अकृत्वोधः, ग्रहणं, संवेदनं, इन्द्रियवोधः-ग्रहणं.
3 शुद्धि *f.*, मति *f.*, धीः, चिच्छक्षिः, मज्जा;
—*See Intellect*. 4 चेतना, संज्ञा, चेतन्य,
ज्ञानं, बोधः, अकृत्वोधः, संवेदनं; ‘s. of
obligation’ कृतज्ञता, कृतवेदित्वं; ‘s. of
pleasure’ सुखवोधः-अनुभवः; ‘come to
s.s’, ‘recover one’s s.s’ संज्ञा-चेतना-
लभ् 1 A or आ-प्रति-पद् 4 A, प्रकृति आ-
पद्, प्रकृतिस्थ-अ-भू 1 P; ‘loss of s. s’ मति-
भ्रशः, शुद्धि-मति-नाशः, विह्वः; ‘common
s.’ विवेकः; ‘goods.’ सुद्धिः, सम्भावः;
सौजन्यः, ‘out of s. s’ विगतचेतन, लुप्त-
संज्ञा, नष्ट-हत-ज्ञान, शुद्धि-भ्रश, नष्टेन्द्रिय-शुद्धि;